भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3302
शुक्रवार, 12 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

विषम मौसम संबंधी घटना

3302. श्री सय्यद ईमत्याज जलीलः
श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्तमान में विषम मौसम संबंधी घटना की भविष्यवाणी की भारत की क्षमता जिला स्तर तक ही सीमित है जिससे किसानों और नागरिकों को लाभों से वंचित रहना पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई॰एम॰डी॰) 21 मिलियन किसानों को अपनी एस॰एम॰एस॰ चेतावनी तंत्र को विस्तारित करके ब्लॉक और गांव स्तर तक पूर्वानुमान सुविधाओं की उच्च तकनीक विस्तारित करने जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का मौसम पूर्वानुमान के लिए मिहिर उच्च कार्य-निष्पादन कम्प्यूटर लगाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) कब तक इससे उत्पन्न लाभ किसानों और नागरिकों को प्रोत्साहित करेगा; और

(ङ) सरकार द्वारा सटीक मौसम पूर्वानुमान के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क–घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग कुछ जिलों में ब्लॉक स्तर पर प्रायोगिक पूर्वानुमान प्रारंभ करने तथा एसएमएस के माध्यम से किसानों को परामर्शिकाएं प्रसारित करने की योजना बना रहा है। उप-जिला स्तर (ब्लॉक स्तर) पर पूर्वानुमान लगाने और इनके मूल्याकंन हेतु प्रायोगिक मोड पहल के लिए प्रयास जारी हैं।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना के तहत, ब्लॉक स्तर पर कृषि मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शी सेवाएं (एएएस) लागू करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्रों में जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाईयों की स्थापना की जा रही है। देश के 50 ब्लॉकों में प्रायोगिक ब्लॉक स्तर पर पूर्वानुमान और परामर्शिकाओं को पहले से ही कार्यात्मक बनाया जा चुका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा समुचित कृषि संबंधी कार्यों को सुसाध्य बनाने के लिए शार्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) और इंटरएक्टिव वायस रिस्पांस सर्विस (आईवीआरएस) सहित भिन्न-भिन्न प्रिंट/ दृश्य/ रेडियो/ आईटी आधारित मीडिया के माध्यम से किसानों को फसल आधारित परामर्शिकाएं उपलब्ध करवाने में सफल रही है।

ब्लॉक स्तर पर फसल पद्धति के आधार पर, ब्लॉक स्तर पर मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम विज्ञान परामर्शिकाएं किसानों को दैनिक कृषि संबंधी कार्यों पर निर्णय लेने में सहायता प्रदान करेंगी। भारत मौसम विभाग द्वारा प्रदान की जा रही कृषि मौसम विज्ञान परामर्शी सेवाएं मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन नीतियों और फसल उत्पादन को बढाने हेतु समर्पित प्रचालनों की ओर एक कदम है। इससे विषम मौसम की घटनाओं के कारण फसल को होने वाले नुकसान और हानि में कमी आने की संभावना है।

वर्तमान में, देश के 42 मिलियन किसान सीधे एसएमएस के माध्यम से कृषि मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शिकाएं प्राप्त कर रहे हैं।

किसानों को ब्लॉक स्तर पर प्रायोगिक परामर्शिकाएं प्रदान करने के लिए मिहिर और प्रत्यूष उच्च कार्य निष्पादन क्लस्टरों को पहले से ही प्रारंभ किया जा चुका है।

(ङ) राष्ट्रीय मानसून मिशन के तहत, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने लघु, मध्यम तथा विस्तारित अवधि के पूर्वानुमानों तथा ऋतुकालिक पूर्वानमुानों के लिए दो अत्याधुनिक गतिशील पूर्वानुमान प्रणालियां कार्यान्वित की हैं। इन सभी पहलों से पूर्वानुमान की सटीकता में सुधार लाने में मदद मिली है। वास्तविक समय में उपलब्ध सभी भारतीय और वैश्विक उपग्रह डाटा के सम्मिश्रण के माध्यम से लघु अवधि पूर्वानुमान में सुधार लाने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग में पूर्वानुमान मॉडलों के एक उन्नत सेट को पहले से ही प्रचालनात्मक रुप से कार्यान्वित किया जा चुका है।

दिसंबर 2016 से ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग 10 दिनों तक लघु से मध्यम अवधि में 12 किमी क्षैतिज विभेदन पर पूर्वानुमान देने के लिए प्रचालनात्मक रुप से वैश्विक पूर्वानुमान प्रणाली (जीएफएस) का उपयोग कर रहा है। जीएफएस में बेहतर पूर्वानुमानों के लिए पारंपरिक डेटा के साथ-साथ उपग्रह और मौसम रॉडारों से प्राप्त डेटा को सम्मिश्रित किया जाता है ।

इसी के साथ-साथ 10 दिनों के प्रचालनात्मक पूर्वानुमान देने के लिए 12 किमी ग्रिड स्केल वाली अत्याधुनिक वैश्विक समष्टिगत पूर्वानुमान प्रणाली को 1 जून 2018 को चालू किया गया। अधिक सटीकता के साथ बेहतर पूर्वानुमान देने के लिए इस प्रणाली में और सुधार किया जा रहा है।

******